एथनॉल का भाव 2.85 रुपये प्रति लीटर बढ़ा

चीनी के रिकॉर्ड उत्पादन से इसकी कीमतों में गिरावट और मिलों पर गन्ना किसानों के भारी बकाए की समस्या के बीच सरकार ने निम्न श्रेणी के शीरे (सी मोलेसिस) से उत्पादित एथनॉल का भाव 2.85 रुपये बढ़ाकर 43.70 रुपये प्रति लीटर कर दिया है। यह दर दिसंबर 2018 से शुरू हो रहे नए सत्र के लिए होगी। इसके साथ साथ पहली बार बी श्रेणी के शीरे से उत्पादित एथनॉल का भी मूल्य तय किया गया है और इसे 47.49 रुपये प्रति लीटर रखा है ताकि मिलें एथनॉल के उत्पादन की ओर अधिक प्रेरित हों। पृष्ठ 6

एथेनॉल का भाव 2.85 रुपये प्रति लीटर बढ़ा

चीनी के रिकॉर्ड उत्पादन से इसकी कीमतों में गिरावट और मिलों पर गन्ना किसानों के भारी बकाये की समस्या के बीच सरकार ने निम्न श्रेणी के शीरे (सी मोलैसेस) से उत्पादित एथेनॉल का भाव 2.85 रुपये बढ़ाकर 43.70 रुपये प्रति लीटर कर दिया है। यह दर दिसंबर 2018 से शुरू हो रहे नए सत्र के लिए होगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

इसके साथ-साथ पहली बार बी श्रेणी के शीरे से उत्पादित एथेनॉल का भी मूल्य तय किया गया है और इसे 47.49 रुपये प्रति लीटर रखा है ताकि मिलें एथेनॉल के उत्पादन की ओर अधिक प्रेरित हों। सरकार की ओर से अभी तक सिर्फ सी श्रेणी के शीरे से तैयार किए जाने वाले एथेनॉल की कीमत ही तय की जाती थी। सी श्रेणी के शीरे में चीनी की मात्रा बहुत कम रह जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडलीय बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। सूत्रों के अनुसार, मंत्रिमंडल ने सी -मोलैसेस से उत्पादित एथेनॉल की दर 2018-19 सत्र (दिसंबर-नवंबर) के लिए 40.85 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 43.70 रुपये लीटर कर दी है। सूत्रों ने कहा कि चीनी बाजार में नरमी से प्रभावित मिले चीनी के साथ साथ एथेनॉल जैसे उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान दें। इसलिए (अपेक्षाकृत चीनी की अधिक मात्रा वाले) शीरे से एथेनॉल के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए पहली बार बी-श्रेणी के शीरे से उत्पादित एथेनॉल का मूल्य तय किया गया है। गन्ने और चुकंदर के रस को पकाने के बाद पहले शीरा ही बनता है जिसे कई चरणों में और परिष्कृत कर चीनी तैयार की जाती है। तेल विपणन कंपनियां चीनी मिलों से पेट्रोल में मिलाने के लिए एथेनॉल खरीदती हैं। मिलों को एथेनॉल की बिक्री से 2017-18 में चीनी सत्र में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। मिलों ने 2017-18 सत्र में 113 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति की है जो एक रिकॉर्ड है। पिछला रिकॉर्ड 111 करोड़ लीटर का था। *भाषा*

BS
28/6/18